

8-618

पञ्चवती आर शत्रुघ्न लोक अदालत  
अल्ल लेवा केरु गुण्डु डेवली पर  
पेरा हुपी/ वादीगण न अस्मिन्वतीगण  
उपलक्षित/ वादीपण्ड वाड का  
पलाना नही पावती ही/ अन्त  
वाड वादीपण्ड इती लेक पर  
निन्तारिन/ किय जलना ही/ पञ्चवती  
अल्लमुण्ड डेरु गण्डु ले क  
ही तथा दफ्तर पावति ही

अद्विवा

कि मुद्रा

जोनकी

दम्भान

हुवाभाय

बामसागर